encouraging persons who propose to start private fertilizer factories; and

(b) if so, what is that scheme and what action has so far been taken or is proposed to be taken by Government in this regard?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर) : (क) और (ख): सरकार ने केवल खाद के प्राइवेट कारखाने खोलने वालों को ही प्रोत्साहन देने की कोई विशेष योजना तैयार नहीं की है। इस दृष्टि से खाद उद्योग के साथ भी वही व्यवहार किया जाता है, जैसा कि ३० अप्रैल, १९५६ के औद्योगिक नीति प्रस्ताव की अनुसूची "ख" में सम्मिलित किसी भी अन्य उद्योग के साथ। निजी क्षेत्र में खाद तैयार करने वाले बड़े कारखाने खोलने के प्रस्तावों पर सरकार उनके महत्व के अनुसार विचार करेगी, परन्तु शर्त यह है कि इन कारखानों में दिलचस्पी रखने वाले निजी औद्योगिक इन प्रायोजनाओं के लिये आवश्यक विदेशी पूंजी अथवा विदेशी विनिमय उपलब्ध कराने वाली ऋण सम्बन्धी सुविधाओं का प्रबन्ध कर लें।

†[THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI LAL BAHADUR): (a) and (b). No specific scheme has been formulated by Government exclusively for giving encouragement to persons coming forward with proposals for the establishment of private fertilizer factories. For this purpose the fertilizer industry is treated like any other industry included in Schedule B of the Industrial Policy Resolution of the 30th April, 1956. Proposals for the setting up of large sized fertilizer plants in the private sector will be considered by Government on merits if private parties interested in this development are able to secure foreign capital or credit facilities to cover the foreign exchange requirements of such projects.]

U.S. BODY TO FIGHT 'RED' INFLUENCE IN INDIAN STEEL PLANTS

33. SHRI BHUPESH GUPTA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a report published in the *Times of India* of October 3, 1958, (Delhi edition) in which it is said:

"The United Steel Workers Union of America has appropriated 20,000 dollars to combat communist infiltration into steel plant unions in India, Mr. Howard Hague, International Vice-President of the Union, reported today"; and

(b) if so, whether Government have made any inquiry in the matter?

THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) and (b). Yes. Enquiries are not yet complete.

सीमा सम्बन्धी झगड़ों के बारे में नेहरू-नून समझौते का परिपालन

३४. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सीमा सम्बन्धी झगड़ों के बारे में गत सितम्बर में हुए नेहरू-नून समझौते के परिपालन के सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) इस सम्बन्ध में अब तक भारत तथा पाकिस्तान की सरकारों के प्रतिनिधियों की कितनी बैठकें हो चुकी हैं ?

†[IMPLEMENTATION OF NEHRU-NOON AGREEMENT ON BORDER DISPUTES

34. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN. Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the progress so far made in regard to the implementation of the

† [ ] English translation.

Nehru-Noon agreement of September last regarding border disputes; and

(b) the number of meetings so far held by the representatives of the Governments of India and Pakistan in this connection?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) और (ख). प्रधान मंत्रियों के करार के द्वारा पूर्व पाकिस्तान और भारत की सीमा के कुछ झगड़े तय हो गये थे। इस करार को सीमा के वास्तविक रेखांकन द्वारा अमल में लाया जायगा। सीमांकन (डेमार्केशन) के बारे में राज्य सरकारों के पास हिदायतें भेजी जा चुकी हैं। सीमांकन करने का मौसम नवम्बर में शुरू हुआ था और जिन क्षेत्रों को लेकर विवाद है, उनका सीमांकन किया जायेगा।

पूर्व पाकिस्तान में कूच-बिहार की भारतीय बस्तियों की अदला-बदली भारत में पाकिस्तानी बस्तियों के साथ करने का विषय भी इस करार में शामिल था। इस तरह की अदला-बदली करने से पहले यह जरूरी है कि भारतीय संविधान की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत कानून पास कर दिया जाय। इस सम्बन्ध में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिम बंगाल और पूर्व पाकिस्तान की सीमा पर गंगा नदी के किनारे-किनारे जिन क्षेत्रों पर गलत कब्जा कर लिया गया था, उन की अदला-बदली का विषय भी उक्त करार में निहित था; यहां बागे अधिकरण पंचाट (बागे ट्रिब्यूनल एवार्ड्स) के अनुसार सीमांकन कर दिया गया है। यह अदला-बदली १५ जनवरी, १९५९ तक होनी है। पश्चिम बंगाल सरकार से कहा गया है कि वह आवश्यक कार्रवाई करे।

†[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) and (b). The Prime Ministers' agreement settled some of the disputes about the boundary between East Pakistan and India. This agreement has to be implemented by actual demarcation of the boundary. Instructions regarding demarcation have already issued to State Governments. The field season for demarcation operations started in November, and demarcation of the disputed sectors will be carried out.

The agreement also related to the exchange of Indian enclaves of Cooch Behar in East Pakistan with Pakistani enclaves in India. Before this exchange can take place, it is necessary to pass legislation under the provisions of the Constitution of India. Necessary action in this connection is being taken.

Another item included in the agreement is the exchange of wrongly-held areas along the river Ganges on the West Bengal-East Pakistan border, where boundary has been demarcated according to Bagge Tribunal Awards. The exchange is to take place by the 15th January, 1959. The Government of West Bengal have been asked to take necessary action.]

† [ ] English translation.

राजस्थान सीमा पर पाकिस्तानी आक्रमण

३५. **श्री नवाबसिंह चौहान**: क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले अक्तूबर के तीसरे सप्ताह में राजस्थान सीमा में पाकिस्तानी फौजियों ने घुसकर काफी जन-धन की हानि की; यदि ऐसा है, तो घटना का विवरण क्या है और इस घटना में जन-धन की कितनी हानि हुई है ;

(ख) इस सम्बन्ध में सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है ; और

(ग) पिछले दो महीनों में सीमा पर ऐसी कुल कितनी वारदातें हुई हैं, जिनमें लोगों को मारा गया अथवा अपहृत किया गया ?